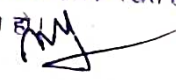


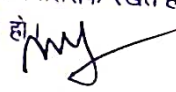




तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज
14.7.22	पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारान उपस्थित है। श्रीमान पीठासीन अधिकारी महोदय वीरे/ अकाश/अन्य राजकार्य में तशरीफ रखते है। पत्रावली दि <u>20.7.22</u> को पेश हो। 
20/7/22	पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारान उपस्थित है। बहस प्रारम्भ ग.पू. हेतु अवसर चाहा। अवसर दिया जाकर पत्रावली दिनांक 1.8.22 को पेश हो। 
1.8.22	पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारान उपस्थित है। बहस प्रारम्भ ग.पू. सुनी गई। पत्रावली आदेश दिनांक 5/8/22 को पेश हो। 
5.8.22	पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारान उपस्थित है। श्रीमान पीठासीन अधिकारी महोदय वीरे/ अकाश/अन्य राजकार्य में तशरीफ रखते है। पत्रावली दि <u>12.8.22</u> को पेश हो। 
12/8/22	पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारान उपस्थित है। बहस में वकील पक्षकारान ने प्रार्थना पत्र एवं जवाब प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों की दोहराया। जर्जी द्वारा खतरा सं. 560 पर अस्थायी निषेधाज्ञा चाही है। जबकि अप्रवर्गिता द्वारा जवाब प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि उनकी खोतेदारी की खतरा सं. 561 है, तथा खतरा सं. 560 व 561 की मीर पर होकर पुराना शान्त है जो वर्षों पुराना है। अतः वकील जर्जी ने निवेदन किया कि यदि अस्थायी निषेधाज्ञा जारी की जाती है तो वर्षों पुराना शान्त बन्द हो जाएगा। 

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील
में जारी हुए

हमने वकील उष्मयपक्षकारान द्वारा दिये गए तर्कों पर ग्रहन किया। खतरा संख्या 560 व 561 की मेर पर वर्षे पुराना रास्ता है, अतः प्रथम दृष्टया प्रकरण में अस्थायी निषेधाज्ञा दिये जाने से रास्ता अवरुद्ध हो सकता है। अतः प्रथम दृष्टया प्रकरण प्राचीन पक्ष में साबित नहीं होता है। अपूर्वनीय क्षति का बिन्दु भी प्राचीन पक्ष में साबित नहीं होता है। सुविधा सन्तुलन का बिन्दु अप्राचीन पक्ष में साबित होता है।

अतः प्रार्थना पत्र, जवाब प्रार्थना पत्र रिकार्ड, व इस वकील पक्षकारान एवं उक्त विवेचन के आधार पर प्राचीन का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 212 RT Act अस्वीकार किया जाकर खारिज किया जाता है। निर्णय सुनाया गया। पत्रावली बाद तत्काल दाखिल दफ्तर है।


उपखण्ड अधिकारी
नैनवां (बून्दी)